सत्रीय कार्य की सूचना

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर (एम.जे.एम.सी)

सत्र : 2016-17, प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 10 अप्रैल 2017

क्र.	प्रश्नपत्र कोड	विषय
1	MJMC - 01	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन
2	MJMC - 02	फीचन लेखन एवं पत्रिका संपादन
3	MJMC – 03	जनसंचार शोध प्रविधि
4	MJMC – 04	जनसंचार के सिद्धांत

ज्ञान शांति मैत्री

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

गांधी हिल्स, वर्धा - 442001 (महाराष्ट्र) भारत

संपर्क : दूरभाष - 07152-

नोट - सभी विद्यार्थी सत्रीय कार्य अंतिम तिथि तक संबंधित केंद्र जहां कि विद्यार्थी ने प्रवेश लिया है, अवश्य जमा कर दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 10 अप्रैल 2017, सायं 05:00 बजे तक

2016-17 : सत्रीय कार्य (Assignment) के विषय

1	MJMC - 01	जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन
2	MJMC - 02	फीचन लेखन एवं पत्रिका संपादन
3	MJMC – 03	जनसंचार शोध प्रविधि
4	MJMC – 04	जनसंचार के सिद्धांत

सत्रीय कार्य का प्रारूप -

दूरशिक्षा के अंतर्गत अध्ययनरत एम.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को उपरोक्त विषयों के सत्रीय कार्य पूर्ण करने हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए निम्नलिखित प्रारूप में सत्रीय कार्य (चार लघु उत्तरीय व एक दीर्घ उत्तरीय कार्य) करना होगा -

सत्रीय कार्य कोड - एमजेएमसी 1/2016-17 कुल अंक : 30 (20+10)

1- लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 05 अर्थात (04 × 05 = 20)

2- दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)

नोट - सभी विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि निर्धारित प्रारूप में सत्रीय कार्य का लेखनकार्य केंद्रित विषय पर दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा उपलब्ध करवायी गई पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात करेंगे । यह सत्रीय कार्य पाठ्य सामग्री, अन्य पुस्तक व संदर्भ द्वारा विकसित समझ और ज्ञान के आधार पर लिखेंगे। इस लेखन में विषयवस्तु के अंतर्गत ऐतिहासिक संदर्भ, अवधारणात्मक पहलू , समकालीन स्थितियों के साथ विभिन्न दृष्टिकोण, आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य और विश्लेषण का समावेश हो तथा उदाहरण सहित उल्लिखित किया जाना चाहिए जिससे विषय की प्रासंगिकता स्पष्ट दिखे ।

सत्रीय कार्य हेतु निर्देश -

१- **सत्रीय कार्य लेखन के प्रथम पृष्ठ पर अध्ययन केंद्र का नाम, पाठ्यक्रम कोड, पाठ्यक्रम का नाम, अनुक्रमांक, सत्रीय कार्य प्रश्नपत्र/विषय/शीर्षक का नाम निम्नलिखित प्रारूप में लिखेंगे ।**

२- **अपना नाम, दर्शाया गया/पत्राचार का पता, दिनांक सहित हस्ताक्षर अवश्य उल्लेखित कीजिए ।**

दूर शिक्षा निदेशालय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र)

अध्ययन केंद्र का नाम - .....

पाठ्यक्रम कोड - .....

पाठ्यक्रम का नाम - .....

अनुक्रमांक - .....

सत्रीय कार्य/विषय का नाम - .....

अभ्यर्थी का नाम - .....

पता - .....

.....

.....

दिनांक -

स्थान -

हस्ताक्षर

(विद्यार्थी का नाम)

पाठ्यक्रम - पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर
(एम.जे.एम.सी)
सत्र : 2016-17, प्रथम वर्ष

1	MJMC - 01	**जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- टेलीविजन लेखन क्यों आवश्यक है ? इस लेखन की विशष्टताओं को बिंदुवार स्पष्ट कीजिए । 2- जनसंपर्क विभाग अपनी संरचना के अनुसार किस प्रकार कार्यकरता है? वर्तमान समय में जनसंपर्क किस प्रकार बदल रहा है ? विज्ञापन के प्रमुख तत्व क्या होते हैं? एक विज्ञापन की कॉपी की अनिवार्यताओं को दर्शाएं। 3- किसी मीडिया में सृजनात्मक लेखन की प्रमुख विधाओं को आधुनिक संदर्भ में किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है ? 4- रिपोर्ताज एवं संपादन लेखन की विशेषताओं की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 1- व्यवहारिक दृष्टि से विज्ञापन लेखन के मूल आवश्यकताओं को बताएं। विज्ञापन लेखन कला के प्रमुख तत्वों और विज्ञापन सृजनात्मकता को बतलाएं।

2	MJMC - 02	**फीचन लेखन एवं पत्रिका संपादन** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- संपादकीय प्रबंधन के सकारात्मक और नकारात्मक पक्षों पर दृष्टि स्पष्ट कजीए । 2- फिल्म और पुस्तक समीक्षा किस प्रकार भिन्न विधाएं हैं ? 3- पत्रकारिता और सामाज के अंतर्संबंधों को उदाहरण सहित बताएं । 4- स्वतंत्र पत्रकारों की दशा और दिशा पर टिप्पणी कीजिए ? **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 1- फीचर लेखन के तत्वों के अधार पर उसके बदलते स्वरूप की व्याख्या कीजिए तथा इसके गुण-दोषों के वैकल्पिक मार्ग की संभावनाओं को बतलाइए।

3	MJMC – 03	**जनसंचार शोध प्रविधि** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- प्रश्नावली और अनुसूची की उपयुक्तएं किस प्रकार प्रासंगिक होती है? 2- सामग्री विश्लेषण तकनीक के आशय और प्रक्रिया को विस्तार से समझाएं। 3- साक्षात्कार प्रक्रिया किस प्रकार संपन्न होती है ? साक्षात्कार के सोपानों को उल्लेखित कीजिए। 4- बहु लक की गणना किस प्रकार होती है ? **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 5- निदर्शन के आधार और विभिन्न प्रकार की प्रचलित निदर्शन तकनीक को बतलाएं। इसके गुणों व समस्याओं को भी उल्लेखित कीजिए।

4	MJMC – 04	**जनसंचार के सिद्धांत** **लघु उत्तरीय कार्य (लगभग 300 शब्द) - कुल संख्या : 04, अधिकतम अंक 20 अर्थात (04 × 05 = 20)** 1- सामाजिक उपयोगिता के संदर्भों जनसंचार की अवधारणा स्पष्ट कीजिए। संप्रेषण को कौन से तत्व प्रभावित कर सकते हैं ? 2- परंपरागत लोकमाध्यमों की लोकजीवन में क्या उपयोगिता है ? इसके प्रभावों की व्याख्या कीजिए। 3- विभिन्न प्रकार के माध्यम सूचना प्रौद्योगिकी से किस प्रकार प्रभावित हुए हैं ? स्पष्ट कीजिए। 4- सूचना और वाक्-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के वैधानिक आधार पर टिप्पणी कीजिए। **दीर्घ उत्तरीय कार्य (लगभग 800 शब्द) - कुल संख्या : 01, अधिकतम अंक 10 अर्थात (01 × 10 = 10)** 1- मैकब्राइड प्रतिवेदन की व्याख्या कीजिए।